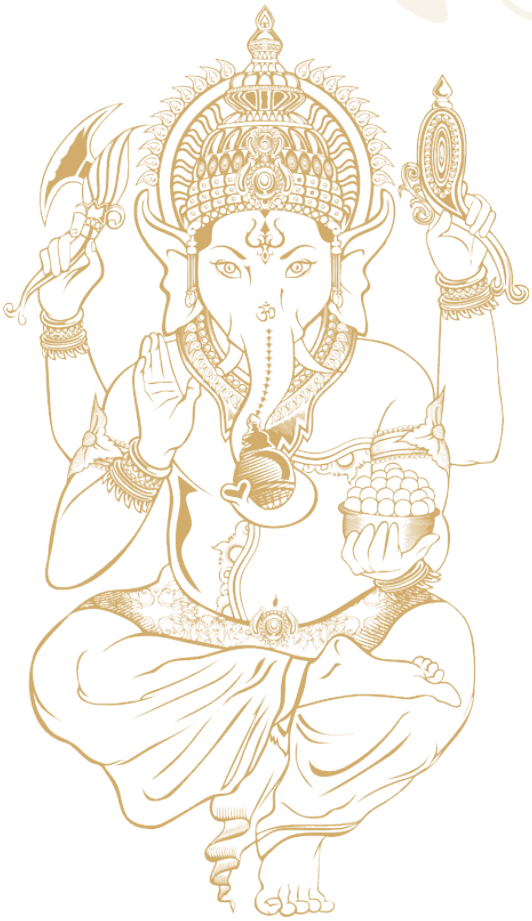

Mr.mohit

Ms.arti sharma

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120480201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120480201 Date: 09/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/09/1999	जन्म तिथि	22/03/2003
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 20:10:00	जन्म समय	17:45:00 घंटे
घटी 34:54:14	जन्म समय(घटी)	28:23:03 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:18	सूर्योदय	06:23:46
18:11:14	सूर्यास्त	18:33:03
23:50:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:52
मेष	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मेष	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
भरणी	नक्षत्र	अनुराधा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
4	चरण	1
हर्षण	योग	वज्र
बालव	करण	तैतिल
लो-लोकेश	जन्म नामाक्षर	ना-नन्दिता
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	कीटक
गज	योनि	मृग
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 4वर्ष 6मा 23दि		22:09:11	मेष	लग्न	सिंह	27:47:02	शनि 17वर्ष 10मा 18दि	
मंगल		11:10:38	कन्या	सूर्य	मीन	07:33:38	बुध	
22/04/2020		23:37:25	मेष	चंद्र	वृश्चि	04:07:02	07/02/2021	
22/04/2027		23:08:09	वृश्चि	मंगल	धनु	17:16:19	07/02/2038	
मंगल	18/09/2020	26:09:24	कन्या	बुध	मीन	08:05:13	बुध	07/07/2023
राहु	06/10/2021	09:13:43	मेष व	गुरु व	कर्क	14:25:00	केतु	03/07/2024
गुरु	12/09/2022	00:14:00	सिंह	शुक्र	मक	29:49:07	शुक्र	04/05/2027
शनि	22/10/2023	22:34:35	मेष व	शनि	वृष	28:58:23	सूर्य	09/03/2028
बुध	18/10/2024	17:38:56	कर्क व	राहु व	वृष	07:21:02	चन्द्र	09/08/2029
केतु	16/03/2025	17:38:56	मक व	केतु व	वृश्चि	07:21:02	मंगल	06/08/2030
शुक्र	16/05/2026	19:15:39	मक व	हर्ष	कुंभ	06:43:26	राहु	22/02/2033
सूर्य	21/09/2026	07:48:14	मक व	नेप	मक	18:30:13	गुरु	31/05/2035
चन्द्र	22/04/2027	14:20:12	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	26:03:12	शनि	07/02/2038

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:52

लग्न-चलित

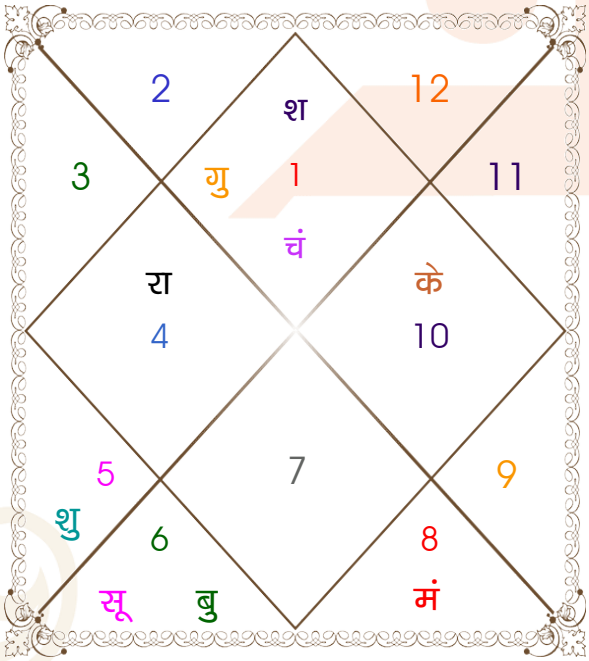

लग्न-चलित

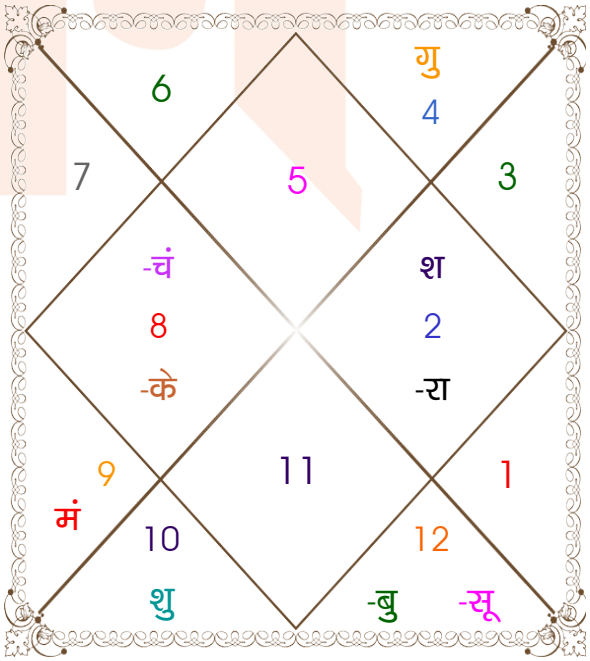

जय मां छिन्नमस्तिका ज्योतिष केंद्र
Vpo mawa kahola teh amb disst una himachal pardesh
9882093333
saurabhsharda9990@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

कुल : **14.5 / 36**

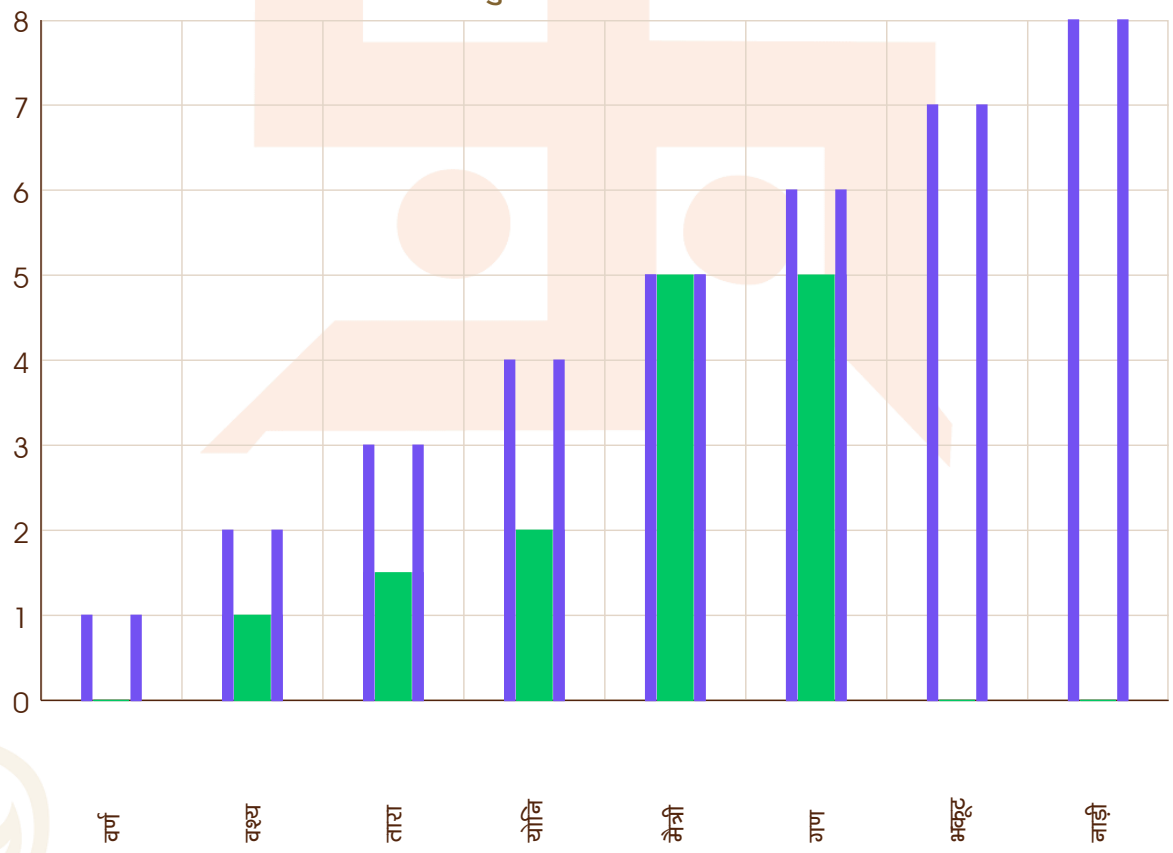

जय मां छिन्नमस्तिका ज्योतिष केंद्र
Vpo mawa kahola teh amb disst una himachal pardesh
9882093333
saurabhsharda9990@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

डतण्उवीपज का वर्ग मृग है तथा Ms.arti sharma का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्उवीपज और Ms.arti sharma का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्उवीपज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल डतण्उवीपज कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.arti sharma मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डतण्उवीपज तथा Ms.arti sharma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्उवीपज का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.arti sharma का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Ms.arti sharma हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना डतण्उवीपज एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

डतण्उवीपज का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms.arti sharma का वश्य कीट है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। चतुष्पद एवं कीट दो अलग प्रकार के प्राणी होते हैं किंतु प्रकृति में इनका सह-अस्तित्व होता है। इस प्रकार दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद भिन्न हो सकते हैं फिर भी ये एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे। इसीलिए डतण्उवीपज चतुष्पद एवं Ms.arti sharma कीट होने पर विवाह को स्वीकृति प्रदान की जाती है यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार, पसंद/नापसंद में अंतर रहेगा। फिर भी ये दोनों एक-दूसरे के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे तथा अपने-अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

डतण्उवीपज की तारा क्षेम तथा Ms.arti sharma की तारा वध है। Ms.arti sharma की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह डतण्उवीपज एवं Ms.arti sharma दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms.arti sharma अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

डतण्उवीपज की योनि गज है तथा Ms.arti sharma की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्उवीपज एवं Ms.arti sharma दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्उवीपज एवं Ms.arti sharma दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

डतण्उवीपज का गण मनुष्य तथा Ms.arti sharma का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms.arti sharma सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर डतण्उवीपज व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण डतण्उवीपज अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

डतण्उवीपज से Ms.arti sharma की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ms.arti sharma से डतण्उवीपज की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। डतण्उवीपज एवं Ms.arti sharma दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। डतण्उवीपज शारीरिक रूप

से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Ms.arti sharma बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

डतण्उवीपज की नाड़ी मध्य है तथा Ms.arti sharma की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में डतण्उवीपज एवं Ms.arti sharma का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्उवीपज की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है तथा Ms.arti sharma की जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। इसके प्रभाव से आप दोनों के जीवन में विचार धाराओं में अंतर रहेगा। इन विभिन्नताओं के कारण आप वैचारिक रूप से एक दूसरे को समझने में असमर्थ रहेंगे अतः संबधं में गहनता की न्यूनता रहेगी। अतः आपसी सामंजस्य से ही मधुरता की संभावना बनेगी।

डतण्उवीपज और Ms.arti sharma दोनों की राशि का स्वामी मंगल है। अतः वैचारिक मतभेदों को छोड़कर इनमें परस्पर मित्रता स्नेह एवं सहानुभूति का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति ईमानदार तथा कर्तव्य परायण रहेंगे तथा सुख दुख में एक दूसरे की सेवा तथा सहायता करना अपना कर्तव्य समझेंगे। इस प्रकार एक दूसरे के प्रति आत्म समर्पण की भावना से आपका दाम्पत्य जीवन सुखी हो सकता है।

डतण्उवीपज की जन्म राशि Ms.arti sharma की राशि से षष्ठ तथा Ms.arti sharma की राशि डतण्उवीपज से अष्टम पड़ती है अतः यह षडाष्टक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण्उवीपज अपने कार्य कलापों में ईमानदार तथा शीघ्रता दिखाने वाले होंगे। यद्यपि Ms.arti sharma में भी ईमानदारी का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु प्रतिरोध या बदले की भावना हो सकती है लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। तथापि अच्छे संबधों के लिए अनावश्यक वाद विवादों से दूर रहना चाहिए।

डतण्उवीपज का वश्य चतुष्पाद तथा Ms.arti sharma का वश्य कीट है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक रूप से एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में सक्षम रहेंगे। लेकिन काम सम्बंधो में डतण्उवीपज की व्यग्रता तथा Ms.arti sharma का स्वार्थी भाव यदा कदा समस्या उत्पन कर सकता है। अतः ऐसे भावों की उपेक्षा करनी चाहिए ।

डतण्उवीपज का वर्ण क्षत्रिय है। अतः वह साहसी परिश्रमी एवं शूरवीर के भाव से युक्त रहेंगे। Ms.arti sharma का ब्राहमण वर्ण होने के कारण धार्मिक एवं शैक्षणिक क्रियाकलपो में विशेष रूचि रहेगी तथा विचारों में भी सात्विकता का प्रभाव रहेगा।

धन

डतण्उवीपज और Ms.arti sharma दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण्उवीपज और Ms.arti sharma मध्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है। जिससे इंगित होता है कि वे नाड़ी दोष से प्रभावित रहेंगे लेकिन उनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा उनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इससे नाड़ी दोष का प्रभाव समाप्त हो जाता है। लेकिन Ms.arti sharma के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव रहेगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियों का सामना करेंगी। साथ ही धातु या गुप्त रोगों से उनको असुविधा रहेगी एवं मासिक धर्म की अनियमिताओं से भी कष्ट की प्राप्ति होगी। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों से सुरक्षित रहने के लिए Ms.arti sharma को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्उवीपज और Ms.arti sharma का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्उवीपज और Ms.arti sharma के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.arti sharma के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.arti sharma को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.arti sharma को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्उवीपज और Ms.arti sharma सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्उवीपज और Ms.arti sharma का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.arti sharma के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Ms.arti sharma यत्नपूर्वक

सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Ms.arti sharma को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Ms.arti sharma को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

डतण्उवीपज तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि डतण्उवीपज तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में डतण्उवीपज के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी डतण्उवीपज को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। डतण्उवीपज समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण डतण्उवीपज के प्रति अनुकूल ही रहेगा।